पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

————————

चिकित्सक एवं स्वास्थ्य कर्मी अपनी जिम्मेदारी को निभाएं

————

चिकित्सा संस्थान चिकित्सा विज्ञान में हो रहे नित नये अनुसंधान के लिए तैयार रहें

————

युवा सामाजिक कुरीतियों को दूर करने में सक्रिय योगदान दें– श्रीमती आनंदीबेन पटेल

————

लखनऊः 20 मार्च, 2021

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने डॉ0 राममनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ के प्रथम स्थापना दिवस समारोह में चिकित्सकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि कोरोना काल में जनमानस में चिकित्सकों एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मियों के प्रति विश्वास बढ़ा है। उन्होंने कहा कि अभी कोरोना से जंग समाप्त नहीं हुई है। वैक्सीनेशन का कार्य चल रहा, जिसको सब तक पहुंचाने में चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को बड़ी जिम्मेदारी निभानी है। इस अवसर पर राज्यपाल ने विशिष्ट सेवाओं हेतु छात्र–छात्राओं को स्वर्ण प्रदक एवं प्रमाण–पत्र प्रदान किये।

श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि हमारे चिकित्सकों को नई चुनौतियों का सामना करने और चिकित्सा विज्ञान में हो रहे नित नये अनुसंधान के साथ चलने के लिये तैयार रहना चाहिए। उभरते हुए रोगों पर अनुसंधान करना ही एक ऐसा सबसे बेहतर तरीका है, जिससे हम रोगों की रोकथाम के उपाय करने के लिये तैयार रह सकते हैं।

राज्यपाल ने चिकित्सा संस्थानों में स्थित चिकित्सा वार्डों खासकर बाल एवं महिला वार्डों पर चर्चा करते हुये कहा कि यदि वार्डों की दीवालों पर शिक्षाप्रद बातें लिखी जायें तथा बीमार बच्चों के लिए खेलकूद सामान तथा पोषण सामग्री रखी जाये तो इलाज के लिये आने वाले बच्चों का ध्यान बीमारी से हटाकर उसकी ओर आकर्षित होगा तथा वे जल्दी स्वस्थ होंगे। इस प्रकार के प्रयोगों पर विचार किया जाना चाहिए।

राज्यपाल ने सामाजिक कुरीतियों खासकर बाल–विवाह तथा दहेज प्रथा पर व्यंगात्मक प्रहार करते हुए कहा कि विवाह के लिये वर की जितनी उच्च शिक्षा होती है उसकी कीमत उतनी ही अधिक होती है। हमें ऐसी दूल्हा बिकने वाली प्रथाओं को रोकना है ओर ये कार्य हमारे युवा आसानी से कर सकते हैं। उन्होंने पदक पाने वाले चिकित्सकों से कहा कि वे अच्छी सोच के साथ

अपने संस्थान को विकसित करें। उसे उत्कृष्ट श्रेणी का बनाये। उन्होंने कहा कि नयी शिक्षा नीति के तहत प्राथमिक शिक्षा से ही बच्चों को स्वास्थ्य संबंधी शिक्षा विभिन्न रूचिकर माध्यमों से दी जानी चाहिए।

राज्यपाल ने सुझाव दिया कि यदि संस्थान 10–15 ग्राम प्रधानों को बुलाकर उन्हें स्वास्थ्य शिक्षा के प्रति जागरूक करेंगे तो वे अपने गांव में भी स्वास्थ्य शिक्षा का उजाला बिखेरेंगे।

चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना ने अपने सम्बोधन में कहा कि मानव जन्म प्राप्त करना सौभाग्य है लेकिन डाक्टर बनना परम सौभाग्य है अतः सभी डा0 अपने मन से मृदु व्यवहार एवं कर्म से मानवता की सच्चे मन से सेवा करें। उन्होंने कहा कि परहित से बढ़कर कार्य धर्म नहीं है।

मुख्य सचिव श्री राजेन्द्र कुमार तिवारी ने कहा कि यह उत्तर प्रदेश का एक विशिष्ट चिकित्सा संस्थान है। यहां ब्राड स्पेशियलिटि में भी अध्ययन–अध्यापन, अनुसंधान एवं चिकित्सा उपचार का कार्य सम्पादित होता है। पूर्व में स्थापित डॉ0 राम मनोहर लोहिया चिकित्सालय का सन् 2019 में इस आयुर्विज्ञान संस्थान में विलय कर लिया गया था, ताकि चिकित्सा शिक्षा के साथ ही स्वास्थ्य सुविधाओं का और विस्तार किया जा सके। वर्तमान में संस्थान द्वारा एम0डी0, एम0एस0, डी0एन0बी0, डी0एम0 तथा एम0सीएच पाठ्यक्रमों का कोर्स छात्रों को कराया जाता है।

आयुर्विज्ञान संस्थान के निदेशक श्री अरूण कुमार सिंह ने कहा कि यह संस्थान सरकार द्वारा संचालित असाध्य रोग योजना के अन्तर्गत कैंसर, हृदय रोग, किडनी तथा लीवर के मरीजों को निःशुल्क एवं आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत लाभार्थियों को भी उच्च स्तरीय उपचार उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने बताया कि संस्थान में ओ0पी0डी0 सेवा के अन्तर्गत प्रतिवर्ष लगभग चार लाख उन्नीस हजार अड़सठ रोगियों को एवं आई0पी0डी0 सेवा के अन्तर्गत उन्तालिस हजार दो सौ सतहत्तर रोगियों की चिकित्सा की जाती है।

इस अवसर पर आयुर्विज्ञान संस्थान द्वारा 20 टी0बी0 ग्रसित बच्चों को गोद लिया और उन्हें पुस्तकें भेंट की गयी।

कार्यक्रम में चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री श्री संदीप सिंह,, राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री महेश कुमार गुप्ता, प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा श्री आलोक कुमार, सहित अन्य अधिकारीगण, चिकित्सकगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

————

डा. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ
Dr. Ram Manohar Lohia Institute Of Medical Sciences, Lucknow
प्रथम स्थापना दिवस
20 मार्च, 2021

डा. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ
Dr. Ram Manohar Lohia Institute Of Medical Sciences, Lucknow
प्रथम स्थापना दिवस
20 मार्च, 2021

1st FOUNDATION DAY
VIP GUESTS